Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 216303 **Paper Code: 3165**

Programme - Master of Arts (HINDI) Sem – III
Course Title – Aadhunik Hindi Kavya; Dwivediyugeen Evam Chhayavaad
Course Code – MHIL - 3261

Time Allowed – तीन घंटे **Maximum Marks – 64**

आवश्यक निर्देश – प्रश्न-पत्र के पाँच भाग हैं। सभी भाग अनिवार्य है।

भाग – I

I नोट – निम्नलिखित में से किन्हीं चार पद्यान्शों की (200 शब्दों में) सप्रसंग व्याख्या करें। (4x4 = **16 अंक)**

(i) "साधु, साधु, साधक धीर, धर्म-धन धन्य राम !"
कह, लिया भगवती ने राघव का हस्त थाम।
देखा राम ने, सामने श्री दुर्गा, भास्वर
वामपद असुर स्कन्ध पर, रहा दक्षिण हरि पर।

(ii) दीपक के जलने में आली,
फिर भी है जीवन की लाली,
किंतु पतंग-भाग्य-लिपि काली, किसका वश चलता है ?
दोनों ओर प्रेम पलता है।

(iii) जिनके खेतों में हैं अन्न,
कौन अधिक उनसे संपन्न
पत्नी सहित विचारते हैं
भव-वैभव भरते हैं,
हम राज्य के लिए मरते हैं !

(iv) अस्तु मैं उपार्जन को अक्षम
कर नहीं सका पोषण उत्तम।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

(v) पशु नहीं, वीर तुम,
समर शूर, क्रूर नहीं,
कालचक्र में हो दबे
आज तुम राजकुँवर ! समर सरताज !

(vi) नील परिधान बीच सुकुमार, खुल रहा मृदुल अधखुला अंग;
खिला हो ज्यों बिजली का फूल, मेघ-बन बीच गुलाबी रंग।

भाग – II

नोट – कोई एक प्रश्न करें - (12 अंक) (800 शब्दों में)

2. छायावादी काव्यधारा में जयशंकर प्रसाद का क्या अवदान है ? स्पष्ट करें ।
3. द्विवेदीयुगीन प्रवृत्तियों के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की समीक्षा करें।

भाग – III

नोट – कोई एक प्रश्न करें - (12 अंक) (800 शब्दों में)

4. साकेत के नवम सर्ग के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालें।
5. मैथिलीशरण गुप्त की जीवन दर्शन संबंधी विचारधारा स्पष्ट करें।

भाग – IV

नोट – कोई एक प्रश्न करें – (12 अंक) (800 शब्दों में)

6. कामायनी के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालें ।
7. 'कामायनी' महाकाव्य में स्थापित ऐतिहासिक और काल्पनिक बिंदुओं पर अपने विचार दें ।

भाग – V

नोट – कोई एक प्रश्न करें – (12 अंक) (800 शब्दों में)

8. 'सरोज स्मृति' का कथ्य स्पष्ट करें ।
9. छायावादी कवि निराला की विचारधारा पर प्रकाश डालें ।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code-216303 **Paper Code-3166**

Programme -Master of Arts (HINDI)
Semester- III
Course Title- Aadhunik Gadhya Sahitya
Course Code- MHIL- 3262

Time-3 Hours. **M Marks-64**

आवश्यक निर्देश : यह प्रश्नपत्र 5 भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से संबंधित हैं। इसमें चार-चार अंकों की सप्रसंग व्याख्या के छह गद्यांश पूछे गए हैं, जिनमें से चार की सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य है।प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में देनी होगी। भाग दो ,तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा।

भाग - प्रथम

प्रश्न - 1

क) होरी ने दौड़कर पालागन किया और मन में अभिमान में उल्लास का आनंद उठाता हुआ बड़े सम्मान से पंडित जी को आंगन में ले गया। महाराज ने गाय को अपनी पुरानी अनुभवी आंखों से देखा, सींगें देखीं थन देखा , पुट्ठा देखा और घनी सफेद भौहों के नीचे छिपी हुई आंखों में जवानी की उमंग भरकर बोले- कोई दोष नहीं बेटा , बाल भौंरी,सब ठीक। भगवान चाहेगा तो तुम्हारे भाग खुल जायेंगे,ऐसे अच्छे लच्छन हैं कि वाह! बस रतीब न कम होने पाए। एक- एक बाछा सौ- सौ का होगा।

ख) वैवाहिक जीवन के प्रभात में लालसा अपनी गुलाबी मादकता के साथ उदय होती है और हृदय के सारे आकाश को अपने माधुरी की सुनहरी किरणों से रंजित कर देती है। फिर मध्याह्न का प्रखर ताप आता है ।क्षण क्षण पर बगूले उठते हैं और पृथ्वी कंपकंपाने लगती है। लालसा का सुनहरा आवरण उठ जाता है और वास्तविकता अपने नग्न रूप में सामने खड़ी आ होती है उसके बाद विश्राममय संध्या आती है, शीतल और शांत, जब हम थके हुए पथिकों की भांति दिन भर की यात्रा का वृत्तांत कहते और सुनते हैं। तटस्थ भाव से मानो हम किसी ऊंचे शिखर पर जा बैठे हैं जहां नीचे का जनरव हम तक नहीं पहुंचता।

ग) नन्हों की आंखों से झर- झर आंसू गिरने लगे, जिन्हें वह पूरे 24 घंटे से लगातार रोके हुए थी। रामसुभग बिल्कुल घबरा गया। उसने दुखी करने के लिए चोट की थी, पर घायल सदा पंख समेटे शिकारी के चरणों में ही नहीं गिरता। कभी-कभी खून की बूंदें भर गिरती हैं और पंछी तीर को सीने में समाए ही उड़ता जाता है।

घ) अतीत? कौन सा अतीत...? अतीत को अपने साथ रखना अब इसका अभ्यास नहीं रह गया है । इसलिए कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई थी। बस,मन में एक बात आई थी कि आज मैं इस लायक हो गया हूं इसीलिए ना..? आठ साल बाद के अतीत को भूलने की बात लीना करती है। इन पिछले आठ वर्षों वाला अतीत या वह जो इससे पहले बीता था? और इसी तरह की कोई चीज लगातार कहीं घुमड़ रही है, इसे वह जरुर महसूस करता रहा। इस समय लगा जैसे घुमड़ते हुए उस निराकार ने स्पष्ट प्रश्न का एक रूप ले लिया है। आखिर उसने क्यों लिखा??

च)नगर की शिराओं के समान फैली और एक दूसरे से उलझी हुई गलियों से जिनमें दूषित रक्त जैसा नालियों का मैला पानी बहता है और रोग के कीटाणुओं की तरह नंगे मैले बालक घूमते हैं, मेरा उस दिन विशेष परिचय हुआ। किसी प्रकार एक तीन मंजिले मकान की सीढ़ियां पार कर हम लोग ऊपर पहुंचे। दालान में ही मैली फटी दरी पर खंबे का सहारा लेकर बैठी हुई एक स्त्री मूर्ति दिखाई दी, जिसकी गोद में मैले कपड़ों में लिपटा एक पिंड- सा था।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

वृद्ध मुझे वहीं छोड़ कर भीतर के कमरे के पार दूसरी ओर के छज्जे पर जा खड़े हुए, जहां से उनके थके शरीर और टूटे मन का द्वंद्व धुंधले चलचित्र का कोई मूक पर करुण दृश्य बनने लगा।

छ) कह नहीं सकती कि परदे से निकल कर कब उन आंखों की स्वामिनी ने मुझे आंगन में खींच लिया। परंतु सहसा विस्मरण से मेरी रुलाई रुक गई। एक दुर्बल पर सुकुमार बालिका जैसी स्त्री अपने आंचल से मेरे हाथ और कपड़ों का कीचड़ मिला पानी पोंछ रही थी और भीतर दालान से वृद्ध सेठ का कुछ विस्मित स्वर कह रहा था ,"अरे यह तो वर्मा साहब की बाई है ।" 4× 4=16

भाग - दो

2)गोदान कृषक जीवन की त्रासदी है, स्पष्ट करें।

3)गोदान आदर्श और यथार्थ का समन्वित रूप है,कैसे? सोदाहरण उत्तर दें। 12× 1=12

भाग -तीन

4)बादलों के घेरे कहानी का कथ्य एवं शिल्प प्रस्तुत करें।

5)भोलाराम का जीव कहानी व्यंग्य प्रधान कहानी है। उदाहरणों के साथ स्पष्ट करें। 12× 1=12

भाग -चार

6)रेखाचित्र के तत्वों के आधार पर अतीत के चलचित्र का मूल्यांकन कीजिए।

7)महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय दें। 12× 1=12

भाग - पांच

8) हिंदी कहानी के प्रमुख आंदोलनों का परिचय दें।

9) रेखाचित्र का स्वरूप, तत्व एवं प्रकार विस्तारपूर्वक लिखें। 12× 1=12

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code- 216303 Paper Code- 3167

Master of Arts in (HINDI)

Semester III

Course Title – भाषा विज्ञान

Course code – MHIL- 3263

समय : 3 घन्टे कुल अंक : 64

नोट : यह प्रश्न पात्र पांच भागों में विभाजित है। पहले भाग के छह प्रश्नों में से किन्हीं चार का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। सभी प्रश्न चार –चार अंकों के हैं। भाग दो, तीन, चार और पांच में से एक –एक प्रश्न करना अनिवार्य हैं। सभी प्रश्न बारह –बारह अंकों के हैं। इन प्रश्नों का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दें।

भाग – एक

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें।

1.

क) भाषा की कोई एक परिभाषा दें।

ख) सर्जनात्मक भाषा का स्वरुप निर्धारित करें।

ग) राष्ट्रभाषा पर एक सारगर्भित नोट लिखें।

घ) भाषा विज्ञान की कोई एक परिभाषा दें ।

ङ) रूप का स्वरुप निर्धारित करें।

च) वाक्य का स्वरुप निर्धारित करें।

4x4=16

भाग दो

2.भाषा की परिभाषा बताते हुए उसकी विशेषताएं बताएं।

3.भाषा का परिवारिक वर्गीकरण स्पष्ट करें। 12

भाग तीन

4.भाषा विज्ञान की परिभाषा बताते हुए उसका स्वरुप निर्धारित करें।

5.ध्वनि परिवर्तन के करण बताएं। 12

भाग चार

6.रूप परिवर्तन की दिशाएं बताएं।

7.वाक्य के निकटस्थ अव्यव बताएं। 12

भाग पांच

8.अर्थ परिवर्तन के करण बताएं।

9.आधुनिक भाषा विज्ञान की प्रमुख विशेषताएं बताएं। 12

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code- 216303 Paper Code- 3168

Programme - Master of Arts (Hindi)
Semester-III
Course Title : पत्रकारिता प्रशिक्षण
Course Code: MHIL-3264

Time allowed-3hours. Max Marks-64

नोट :यह प्रश्नपत्र पांच इकाई में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है,इस भाग में पूछे गये छ: प्रश्नों में से विद्यार्थी के लिए किन्हीं चार का उत्तर देना आवश्यक है|प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों/दो पृष्ठों में दें |प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 4 हैं | इकाई दो,तीन,चार और पांच में पूछे गये दो – दो प्रश्नों में से विद्यार्थी के लिए एक का उत्तर देना अनिवार्य है |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 800 शब्दों में दें | प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 12 हैं |

इकाई- एक

(प्र.1)क –संसदीय पत्रकारिता क्या है |

ख –विज्ञान पत्रकारिता को स्पष्ट कीजिए|

ग- समाचार-पत्र के अर्थ को स्पष्ट करें |

घ-सम्पादक से आप क्या समझते हैं |

ङ साक्षात्कार के अर्थ को स्पष्ट करें |

च –सूचना प्रद्योगिकी के अर्थ को स्पष्ट कीजिए |

इकाई –दो

(प्र.2)क-पत्रकारिता के क्षेत्र/स्वरुप को स्पष्ट कीजिए |

ख.समाचार-पत्र के महत्व से अवगत कराएँ |

इकाई –तीन

(प्र.3)क-समाचार लेखन के वैशिष्ट्य को स्पष्ट करें |

ख-शीर्षक रचना की विधियों से अवगत कराएँ |

इकाई-चार

(प्र.4)क-छह ककारों की प्रधानता के आधार पर आमुख के वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए |

ख-समाचार-पत्रों के विभिन्न सतम्भों का परिचय दीजिए |

इकाई-पांच

(प्र.5)क-पत्रकारिता में प्रबंधन के महत्व को स्पष्ट को करते हुए इस प्रबंध के प्रमुख घटकों को स्पष्ट करें |

ख-मुक्त प्रेस से आप क्या समझते हैं |

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code- 216303 Paper Code- ~~3265~~ 3169

Programme -Master of Arts (Hindi)
Semester-III
Course Title- Chitra Mudgal: Vishesh Adhyayan
Course Code- MHIL- 3265

Time-3 Hours. M Marks-64

आवश्यक निर्देश : यह प्रश्नपत्र 5 भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से संबंधित हैं। इसमें चार-चार अंकों की सप्रसंग व्याख्या के छह गद्यांश पूछे गए हैं, जिनमें से चार की सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य है।प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में देनी होगी। भाग दो ,तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इक़ाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा।

प्रश्न 1

क) बच्चों की गलती नहीं । उन्हें अपने तक सीमित रहना सिखाया जा रहा है। उन्हें समझाया जा रहा है कि उन्हें किसी की जरूरत नहीं। उन्होंने इसी के चलते मलय-निलय को कभी कोई खेल ,ब्लॉक्स, मैकेनिक्स ,पजल्स नहीं भेंट किए। नरेंद्र और बहू विचित्र तब भी लगे थे, जब बच्चों के बिना मांगे ही उन्हें विचित्र-विचित्र खेल-खिलौने लाकर दिया करते थे। वे खेल-खिलौने नन्हे मलय-निलय को अपने में उलझाए और रिझाये रहते।उन्हें किसी की जरूरत महसूस नहीं होती।

ख) अपनी पसंद के बारे में बताते हुए बाबू जसवंत सिंह लगभग भावुक हो आए थे। दरअसल दिल्ली आकर वे भूल ही गए कि भोजन में उनकी पसंद का कोई महत्व शेष है। अक्सर उन्हें वह खाना पड़ता या खिलाया जाता जो उनके ढीले और खोखले हो आए दांतों और बिगड़े हाज़मे को मंजूर नहीं होता। पसंद की बात दरकिनार भी कर दें तो अखरने वाली बात है उनके नाश्ते पानी का कोई समय नियत ना होना ।

ग) सब पैसा बनाने के चक्कर हैं.... नर्सिंग होम में ले आइये।" टांगें फैलाकर, पेट की ज़िप चढ़ाते हुए निशीथ ने घृणा से मुंह बनाया," टाइफाइड है,कैंसर नहीं। मर नहीं जाएगा बच्चू। सुबह से घर को सिर पर उठा रखा है ऊपर से यह डॉक्टर.... जेबकतरे हैं साले,... जेबकतरे!" शर्ट का हैंगर बिस्तर पर फेंकते हुए वह बाहें फसाते हुए टी-शर्ट पहनने लगा एकदम निर्लिप्त।

घ)"व्यक्ति व्यक्ति से अलग होता है ...मैं तुम्हें अब भी..... तुम्हारे लिए सही मायनों में साथी होना चाहता हूं शुभू! बच्चू के लिए सचमुच पिता। तुम पाओगी, मैं जो कुछ कह रहा हूं, मात्र मेरा सोचना भर नहीं है ,न कोई भावुकता की उड़ान। यह जीवन के हर पक्ष में भागीदारी का ऐलान है..... बच्चू तुम्हारे प्राणों का स्पंदन ही नहीं है, वह मेरे हृदय में भी संचरित हो रहा है...."

च) उसे सबसे अच्छा लगता है- ठंडी गाड़ी में पत्रिकाएं बेचना।। सुबह से ही उसे ठंडी गाड़ी की प्रतीक्षा होती है। उचटते चित्त से वह दूसरी गाड़ियों के डिब्बे दर डिब्बे डोलता फिरता ,नाक चढ़ाए मन ही मन गिनता कुढ़ता रहता है कि सरकार सारी ही गाड़ियों को ठंडी गाड़ी में क्यों नहीं तब्दील कर देती? गाड़ियों के बदलते ही शर्तिया सवारी के चेहरे बदल जाएंगे। फिर उसे सूखे भुतहे चेहरों के बीच डोल- डोलकर पत्रिकाएं बेचने की व्यवस्था से मुक्ति मिल जाएगी।

छ) वह एकदम से भूल रहा है कि उसने किस-किस को पत्रिका बेची है।उनमें से कितनों से उसे पैसे लेने शेष है।याद आया, एक तो एकदम आखिरी वाली सीटों में से किसी ने राजीव गांधी वाली पत्रिका ली थी। उन पर भी पैसे नहीं थे टूटे ।वह तेजी से डिब्बे के उसे सिरे की ओर लपका।उन चश्मे वाले बाबू जी ने उसे देखते ही पहले

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

वाला ही 20 का नोट निकाल कर उसकी और बढ़ा दिया ।उसने फटाफट निकर की जेब से रुपए निकाल कर उन्हें लौटाए। ...किसी और पर भी पैसे बकाया है। याद नहीं आ रहा है ,दिमाग में हथौड़े से बज रहे हैं।

4×4=16

भाग- दो

प्रश्न 2) गिलिगडु की भाषा शैली पर अपने विचार दीजिये।

प्रश्न 3) गिलिगडु वृद्ध जीवन की त्रासदी का साक्षात् रूप है, स्पष्ट कीजिए।

12×1=12

भाग- तीन

प्रश्न 4) ताश्महल कहानी के आधार पर शोभना के चरित्र का विस्तृत परिचय दीजिये।

प्रश्न 5) ताश्महल कहानी में दाम्पत्य जीवन की त्रासदी का चित्रण है स्पष्ट कीजिए।

12×1=12

भाग- चार

प्रश्न 6) बेईमान कहानी के आधार पर छटंकी का चरित्र चित्रण करें।

प्रश्न 7) बेईमान कहानी में सकारात्मक मूल्यों का ह्रास हुआ है, स्पष्ट करें।

12×1=12

भाग- पांच

प्रश्न 8) बदलते जीवन मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में गिलिगडु का विवेचन कीजिये।

प्रश्न 9) चित्रा मुद्गल का साहित्यिक परिचय दीजिये।

12×1=12

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 216303 **Paper Code: 3170**

Programme: Master of Arts (Hindi) Semester: III

Course Title: Hindi Kahani

Course Code: MHIL-3266 (Opt. – III)

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 64**

आवश्यक निर्देश – प्रश्न-पत्र के पाँच भाग हैं । सभी भाग अनिवार्य है ।

भाग – I

1. नोट – निम्नलिखित में से किन्हीं चार गद्यान्शों की (200 शब्दों में) सप्रसंग व्याख्या करें ।

(i) उसका उसूल है कि अपने नए देश के खिलाफ कभी कुछ नहीं कहता। कहीं किसी सिरफिरे की आंखों का रश्क तरस में बदल गया तो ? फिर उस देश की बदौलत ही उसे यह रुतबा हासिल हुआ है कि अपने देश में बड़े से बड़े आदमी से नज़रे मिलाकर बात कर सकता है।

(ii) ठेकेदार हर मज़दूर के भाग्य का देवता होता है जो उसकी दया बनी रहे तो मज़दूर के सब मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं, पर जो देवता के तेवर बदल जायें तो अनहोनी भी होके रहती है।

(iii) जवाब मिलने पर डिब्बे में एक और प्रतिक्रिया हुई। पठानों के मन का तनाव फौरन ढीला पड़ गया। जबकि हिंदू-सिक्ख मुसाफिरों की चुप्पी और ज्यादा गहरी हो गई। एक पठान ने अपनी वास्कट की जेब में से नसवार की डिबिया निकाली और नाक में नसवार चढ़ाने लगा। अन्य पठान भी अपनी-अपनी डिबिया निकाल कर नसवार चढ़ाने लगे । बुढ़िया बराबर माला जपे जा रही थी। किसी-किसी वक्त उसके बुदबुदाते होंठ नजर आते, लगता, उनमें से कोई खोखली सी आवाज़ निकल रही है।

(iv) बेटे के यों उठ जाने से रसोईघर में चुप्पी छा गई । माँ और बाप दोनों का मन खिन्न हो उठा। ऐसा शुभ दिन हो, बेटा घर पर आए और यों तकरार होने लगे। माँ का दिल टूक-टूक होने लगा ।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

(v) हम दूर निकलकर अपनी प्रिय टेकरी पर जाकर बैठ जाते हैं । दूर-दूर तक हल्की सी चाँदनी फैली हुई है और शहर की तरह यहाँ का वातावरण धुएं से भरा हुआ नहीं है ।

(vi) और माँ, हम लोग पहले बैठक में बैठेंगे उतनी देर तुम यहाँ बरामदे में बैठना। फिर जब हम यहाँ आ जाएँ, तो तुम गुसलखाने के रास्ते बैठक में चली जाना ।

भाग – II

नोट – कोई एक प्रश्न करें (800 शब्दों में) -

2. कहानी का अर्थ एवं परिभाषा लिखें ।
3. कहानी के विविध प्रकार उदाहरण सहित लिखें ।

भाग – III

नोट – कोई एक प्रश्न करें (800 शब्दों में) -

4. भीष्म साहनी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें ।
5. 'चीफ की दावत' कहानी की भाषा-शैली के आधार पर समीक्षा करें।

भाग – IV

नोट – कोई एक प्रश्न करें (800 शब्दों में) -

6. 'मृदुला गर्ग की कहानियों में उल्लिखित नारी मनोविज्ञान के उदाहरण प्रस्तुत करें ।
7. 'वितृष्णा' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालें ।

भाग – V

नोट – कोई एक प्रश्न करें (800 शब्दों में) -

8. मन्नू भंडारी की कहानियां समाज को क्या संदेश देती हैं ?
9. 'नई नौकरी' कहानी के कथ्य पर प्रकाश डालें ।